



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

देवशरणी एकादशी से शुरू हो रहा ...8

सिद्धार्थनगर

शुक्रवार, 24 जुलाई 2026

वर्ष: 13 अंक : 215 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

एक विश्वास....

सम्पादक : राजेश शर्मा

दंगा करने वालों का पासपोर्ट होगा रद्द!

सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच दिल्ली पुलिस सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस संस्थापक अभिजीत दिपके को दंगों में शामिल पाए जाने वाले हिरासत में ले लिया गया।



व्यक्तियों के खिलाफ पासपोर्ट रद्द करने की कार्यवाही शुरू करेगी, साथ ही मौजूदा कानूनों के तहत कानूनी कार्यवाई भी करेगी। यह हिंसक प्रदर्शनों में भाग लेने के आरोपियों के खिलाफ सख्त रुख का संकेत है। यह निर्णय सोमवार को कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के श्वलो संसद श्रमार्च के दौरान हुई हिंसा के बाद लिया गया है, जब प्रदर्शनकारियों ने संसद के आसपास लगे सुरक्षा बैरिकेड्स को तोड़ने का प्रयास किया था। इसके बाद सुरक्षा बलों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, लाठीचार्ज करना पड़ा और दंगा रोकथी वाहन तैनात करने पड़े। कई प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं, जबकि पार्टी ने दावा किया कि उसके

भारी भीड़ उमड़ी: सोमवार को विरोध-प्रदर्शन वाली जगह पर भारी भीड़ जुटने लगी, जिसमें कई लोग पहली बार शामिल हो रहे थे। जंतर-मंतर जाने वाली सड़कों लोगों से भर गई। श्रद्धा आयेजकों ने माना कि अब वे लोगों की संख्या का अंदाजा नहीं लगा पा रहे थे, जबकि कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पुलिस की कार्यवाई के वीडियो देखकर ही वे इस आंदोलन से जुड़े। इस बीच, छात्रों के आंदोलन को लेकर राजनीतिक टकराव भी बढ़ गया। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी पर अपनी बात से मुकरने का आरोप लगाया, जबकि सरकार संसद में कथित छम्पू अनियमितताओं पर चर्चा करने के लिए सहमत हो गई थी।

सीजेपी ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

हिंसा के बाद, सीजेपी ने 24 जुलाई को देशव्यापी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की घोषणा की और NEET आंदोलन के दौरान छात्रों पर कथित पुलिस बर्बरता के खिलाफ हर जिले में प्रदर्शन करने का आह्वान किया। पार्टी ने छात्र संघों और संगठनों से स्थानीय स्तर पर समन्वय स्थापित करने, छात्रों की मांगों को सार्वजनिक रूप से पढ़ने और पुलिस कार्यवाई से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने की अपील की। इस सप्ताह तक, जंतर-मंतर पर आंदोलन अपेक्षाकृत सीमित दायरे में था, जहां छात्र और कार्यकर्ता प्रतिदिन नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एकत्र होते थे। सोमवार को पुलिस के साथ हुई झड़प के बाद स्थिति बदल गई।

जंतर मंतर पहुंचे फिजिक्सवाँला के अलख पांडे, पूछा- सरकार बच्चों से बात क्यों नहीं करती?

नई दिल्ली। फिजिक्सवाँला के सह-संस्थापक और सीईओ अलख पांडे दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए सरकार से उनसे बातचीत करने का आग्रह किया है। यह घटनाक्रम छम्पू-नल 2026 परीक्षा के पेपर लीक के आरोप में विरोध 1 प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही कॉंग्रेस जनता पार्टी द्वारा पांडे की छात्रों का सार्वजनिक रूप से समर्थन न करने के लिए

आलोचना करने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। समूह ने छात्रों से उन शिक्षकों का बहिष्कार करने की अपील की थी जो विरोध प्रदर्शन का समर्थन नहीं कर रहे थे। गुरुवार सुबह पांडे ने विरोध स्थल से एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि यह आंदोलन सिर्फ छम्पू परीक्षा तक सीमित नहीं है। वीडियो में उन्होंने कहा कि



20 जुलाई को भारत के छात्रों ने एक ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन किया। यह पूरी शिक्षा प्रणाली के खिलाफ छात्रों का गुस्सा था।

यह सिर्फ छम्पू का मामला नहीं है। जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कई दिनों से जारी है, जिसमें छात्र कथित पेपर लीक मामले में कार्यवाई की मांग कर रहे हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। 20 जुलाई को विरोध 1 प्रदर्शन और तेज हो गया, जब हजारों छात्र जंतर-मंतर पर जमा हुए और पुलिस ने कार्यवाई की। अपने वीडियो में पांडे ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित बल प्रयोग

की भी आलोचना की और सरकार से छात्रों से बातचीत करने की सीधी अपील की। उन्होंने कहा सरकार इन बच्चों से बात क्यों नहीं करती? ये हमारे देश के बच्चे हैं। कृपया कम से कम एक बार आकर उनसे बात करें। उनकी समस्याओं को सुनें। वे बेबसी में सड़कों पर उतरे हैं। पांडे ने आगे कहा कि यह मुद्दा केवल नीट तक सीमित नहीं है, बल्कि परीक्षाओं, शिक्षा और भर्ती से जुड़ी व्यापक चिंताओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नीट की बात नहीं है।

सीएम योगी का कांग्रेस-एसपी पर बड़ा आरोप

छात्रों को कर रहे बदनाम

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे नीट विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली में संसद सत्र को घेरकर अशांति फैलाने और छात्रों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। गोरखपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया गया और विस्थापित किया गया, तो विपक्षी दल चुप रहते लेकिन जब नरेंद्र मोदी सरकार ने हिंदुओं की सुरक्षा और बचाव पर जोर दिया, तो उन्होंने एक नकारात्मक नैरेटिव बनाने की कोशिश की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने देखा होगा कि कैसे समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में संसद सत्र के दौरान हंगामा किया, माहौल खराब किया और अशांति फैलाकर छात्रों को



बदनाम करने की कोशिश की। कांग्रेस सरकार के समय, जब कश्मीरी में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया गया और उन्हें विस्थापित किया गया, तब वे चुप रहे।

लेकिन जब मोदी सरकार ने हिंदुओं की सुरक्षा और बचाव की बात की, तो इन लोगों ने इसके खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने विरोध-प्रदर्शन,

आंदोलन, तोड़-फोड़, आगजनी और ऐसी ही दूसरी गतिविधियां करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने आगे दावा किया कि न केवल दिल्ली में, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में भी हालात बिगाड़ने की कोशिशें की गईं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने न सिर्फ दिल्ली में, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के दूसरे राज्यों में भी गड़बड़ी फैलाने की कोशिश की। जब वे इसमें नाकाम रहे, तो उन्होंने किसानों को भड़काना शुरू कर दिया। उन्होंने पंजाब और हरियाणा के लोगों को प्रभावित करके किसान आंदोलन शुरू किया। उन्होंने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। यह घटनाक्रम मंगलवार शाम को दिल्ली पुलिस द्वारा कांग्रेस नेताओंकृतिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्ढा भी शामिल थे-को हिरासत में लिए जाने के बाद हुआ।

शुद्ध पेट्रोल की नहीं होगी वापसी, ई20 पूरी तरह सुरक्षित, सरकार ने संसद में साफ किया रुख

नई दिल्ली। अगर आप सोशल मीडिया पर यह सुनकर परेशान हो रहे हैं कि नए तरह का पेट्रोल ई20 आपकी गाड़ी का



इंजन खराब कर देगा, तो आपके लिए बड़ी खबर है। सरकार ने संसद में साफ कर दिया है कि ई20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित, साफ और आधुनिक ईंधन है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने संसद में एक लिखित जवाब के जरिए इस मामले पर देश के सामने पूरी सच्चाई रखी है। गौर करने वाली बात यह भी है कि सरकार ने अपने जवाब में यह भी साफ कर दिया है कि सरकार का बिना इथेनॉल वाले पुराने पेट्रोल पर वापस लौटने का कोई इरादा नहीं है।

अभिजीत दिपके का दावा: बीजेपी के गुंडे कर रहे पत्थरबाजी

सीजेपी को बदनाम करने की साजिश

नई दिल्ली। कॉंग्रेस जनता पार्टी के प्रतिनिधि अभिजीत दिपके ने गुरुवार को आरोप लगाया कि छात्रों के चल रहे विरोध-प्रदर्शन को जानबूझकर बाधित करने के लिए बाहर से लोगों को भेजा जा रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंकने और प्रदर्शनकारियों को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए दिपके ने कहा कि विरोध 1-प्रदर्शन एक महीने से बिना किसी ऐसी घटना के चल रहा



पकड़ने के बाद स्थिति बदल गई। उन्होंने कहा कि विरोध 1-प्रदर्शन को जानबूझकर बाधित करने के लिए बाहर से लोगों को भेजा जा रहा है। हम एक महीने से यहां बैठे हैं। एक महीने में ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

लेकिन अब, जैसे-जैसे यह विरोध 1 बढ़ा है, बीजेपी द्वारा बाहर से गुंडों को भेजा जा रहा है ताकि लोगों को जानबूझकर उकसाया जा सके। दिपके ने आगे आरोप लगाया कि ये बीजेपी के ही लोग हैं जो पत्थर फेंक रहे हैं। पुलिस यहाँ ट्रकों में भरकर पत्थर लाती है। बीजेपी के गुंडे आते हैं, पत्थर फेंकते हैं और फिर सीजेपी के लोगों को बदनाम करते हैं। दिपके ने यह भी कहा कि चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस का लाठीचार्ज बहुत बेरहम था और उन्होंने कहा कि

वे इसमें शामिल पुलिस अधिकारियों को अदालत में ले जाएंगे, साथ ही उन्होंने बताया कि वे सोनम वांगचुक से अपनी भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह कर रहे हैं। दिपके ने बताया कि विरोध प्रदर्शन का आज 34वां दिन है, जबकि वांगचुक की भूख हड़ताल 28वें दिन भी जारी है। उन्होंने कहा कि मैंने लाठीचार्ज के बारे में पहले ही बात की है। यह बहुत बेरहम कार्यवाई थी और हम इसके लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को अदालत में ले जाएंगे। आज हमारे विरोध 1 प्रदर्शन का 34वां दिन है।

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के



वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छम्पू पेपर लीक विवाद को लेकर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को तबाह करने का गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता की यह तीखी प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के उस हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने पेपर लीक के दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दिलाने के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि युवाओं का कल्याण और भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था पर फ्क्बा कर लिया गया है और उसे बर्बाद कर दिया गया है और सरकार पर इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी ने पेपर लीक के दोषियों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट की घोषणा की

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के युवाओं का कल्याण और हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जो कोई भी उनके भविष्य को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। नीट पेपर लीक को लेकर युवाओं के लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। चूंकि मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे युवाओं के कल्याण और भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है! जो लोग हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेपर लीक के मुद्दे पर सभी जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों की हमारी श्रृंखला को आगे बढ़ाता है।

सड़कों पर टैग लगे छुट्टा पशुओं का आतंक, भूजल सप्ताह पर जल संरक्षण का हादसे का खतरा-फसलें भी हो बराबद

बड़ा सवाल: आखिर गौशालाओं से बाहर कैसे घूम रहे टैग लगे पशु, जिम्मेदार कौन ?

दैनिक बुद्ध का संदेश



जोगिया / सिद्धार्थनगर। जोगिया विकास खंड क्षेत्र के जोगियादुदयपुर चौराहे और आसपास के गांवों में छुट्टा पशुओं

टैग लगे छुट्टा पशु क्यों घूम रहे सड़कों पर? जिम्मेदार कौन, उठे सवाल

वहीं जब इस मामले में विकास खंड जोगिया ब्लॉक के रामानंद वर्मा से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि छुट्टे पशुओं के कानों में लगे टैग के बारे में इस मामले में अभी तक हमको सूचना नहीं मिली या, और सूचना मिला हुआ है, और तत्काल प्रभाव से हम लोग इसकी निगरानी करेंगे।

वहीं ग्रामीणों ने इस मामले में पूछा कि सिद्धार्थनगर जिला मुख्यालय से सटे जोगिया ब्लॉक से मात्र 500 मीटर की दूरी पर छुट्टे पशुओं के कानों में लगे टैग घूम रहे हैं, इसकी जिम्मेदार कौन है ?

की समस्या किसानों और राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। कई पशुओं के कानों में सरकारी टैग लगे होने के

बावजूद वे खुलेआम सड़कों और खेतों में घूमते दिखाई दे रहे हैं। इससे एक ओर किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क पर अचानक पशुओं के आ जाने से बाइक और वारपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय किसानों का कहना है कि सरकार छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाने और उनके संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदारों की सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। किसान दिन-रात

मेहनत और लागत लगाकर फसल तैयार करते हैं, लेकिन छुट्टा पशुओं के झुंड खेतों में घुसकर उनकी मेहनत पर पानी

कालानमक चावल को देश-दुनिया तक पहुंचाने की तैयारी, डीएम ने बड़े ब्रांड्स से करार के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता में कालानमक चावल, एक जनपद एक उत्पाद सी०एफ०सी० की जनपद स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर सी०एफ०सी० के एस०पी०वी० के सदस्यों के साथ चर्चा की गयी। बैठक में कालानमक धान का उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसानों के साथ उत्पाद की अनुबंधीत खेती कराने हेतु किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक गोप्टि कराने के साथ-साथ एस०पी०वी० सदस्यों एवं किसान सदस्यों की संख्या को बढ़ाने हेतु निर्देशित किया

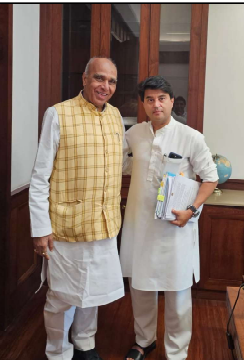
गया। सी०एफ०सी० के निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि अगामी सत्र में 1500 मी०टन धान क्रय तथा प्रसंस्करण हेतु सिंगापुर की कंपनी बुद्धा राइफस KISAANS,PRADF एवं अन्य एफ०पी०ओ० के साथ एम०ओ०यू० हुआ है। जिलाधिकारी द्वारा सी०एफ०सी० निदेशक को निर्देशित किया गया कि लूल् मॉल, ठसपदापज, ठपहद्वंत जैसी कंपनी से सम्पर्क कर जनपद का कालानमक चावल के लिए अनुबंध कर देश-दुनिया तक पहुंचाया जाए। सी०एफ०सी० समिति द्वारा अवगत कराया गया कि एस०पी०वी० सदस्यों एवं गैर एस०पी०वी० सदस्यों/किसानों

सिद्धार्थनगर में मोबाइल नेटवर्क सुधार की मांग, सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आज डुमरियागंज लोकसभा के लोकप्रिय सांसद जगदम्बिका पाल भारत सरकार के माननीय केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिधिया से मुलाकात कर कहा कि सिद्धार्थनगर जनपद के अनेक ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क एवं दूरसंचार सेवाओं की उपलब्धता अत्यंत कमजोर है। कई स्थानों पर कॉल ड्रॉप, इंटरनेट की धीमी गति तथा नेटवर्क के पूर्णतः अनुपलब्ध रहने जैसी समस्याएं आम हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों को दैनिक जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार तथा सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सिद्धार्थनगर जिला नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा हुआ

एक अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, आपदा एवं आपातकालीन संचार



तथा प्रशासनिक समन्वय की दृष्टि से इस क्षेत्र में सुदृढ़ एवं विश्वसनीय दूरसंचार अवसंरचना अत्यंत आवश्यक है। सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रभावी सरकारी दूरसंचार नेटवर्क न

फेर रहे हैं। इस मामले में ग्राम पंचायत सचिव गौरव त्रिपाठी से बात की गई। क्षेत्र में सरकारी टैग लगे पशुओं के खुलेआम सड़कों और खेतों में घूमने को लेकर अब जिम्मेदार व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का सवाल है कि जब पशुओं के संरक्षण और उन्हें गौशालाओं में रखने की व्यवस्था है, तो टैग लगे पशु आखिर सड़कों और किसानों के खेतों तक कैसे पहुंच रहे हैं? ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहना चाहिए। यदि जिम्मेदारी मिलने के बावजूद छुट्टा पशु सड़कों और खेतों में घूम रहे हैं तो इसकी जांच कर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि लापरवाही किस स्तर पर हुई। ग्रामीणों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जिम्मेदार कर्मचारियों की ऐसी कार्यशैली से जिलाधिकारी और सरकार द्वारा छुट्टा पशुओं के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की छवि धूमिल नहीं हो रही है? वहीं ग्रामीणों और किसानों की मांग है कि सड़कों व खेतों में घूम रहे सरकारी टैग लगे छुट्टा पशुओं को तत्काल सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाया जाए। साथ ही इसकी जांच कराई जाए कि टैग लगे



होने के बावजूद पशु खुले में कैसे घूम रहे हैं और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदार की जवाबदेही तय की जाए, ताकि किसानों की फसल और राहगीरों की जान दोनों सुरक्षित रह सकें। ग्रामीणों का कहना है जब इस समस्या को लेकर रवि यादव, शिवधनी यादव, ओपी प्रजापति, उमप्रकाश प्रजापति, मिश्रीयावन मौर्या और प्रभात मौर्य सहित सैकड़ों किसानों व ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि छुट्टा पशुओं को सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाकर किसानों की फसलों को नुकसान से बचाया जाए और सड़कों पर होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोका जाए।

हेमंत पाण्डेय बने प्रधानमंत्री, ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में 88 से अधिक छात्र-छात्राओं को मिला दायित्व

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। तेतरी बाजार स्थित रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में शुक्रवार को शिशु भारती छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में छात्र संसद, विभिन्न विषय परिषदों एवं न्याय विभाग के 88 से अधिक छात्र-छात्राओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कॉलेज, नौगढ़ के अर्थशास्त्र एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की वास्तविक प्रथम श्रेणी उनके श्रेष्ठ आवरण, अनुशासन, संस्कार और उत्तरदायित्व से तय होती है। छात्र संसद बच्चों में नेतृत्व क्षमता



सिद्धार्थ नगर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जला पूर्ति विभाग के तत्वावधान में लघु सिंचाई विभाग द्वारा विकास भवन सभा कक्ष में भूजल सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन नोडल अधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त अवसर पर सदीप सिंह उपायुक्त मनरेगा ,आर जे सिंह डिप्टी सीएमओ, बीएस यादव जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, अजय कुमार सिंह अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर राजन गुप्ता अधिशाषी अधिकारी भारत भारी व समस्त अधिशासी अधिकारी , लघु सिंचाई विभाग के समस्त अवर अभियंता ,बो रिंग टेक्नीशियन ,जल निगम ,नलकूप, कृषि विभाग ,जिला

विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ,भूमि संरक्षण अधिकारी ,जिला पंचायत राज अधिकारी ,जिला कार्यक्रम अधिकारी ,महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, वन,जिला उद्यान अधिकारी ,जिला युवा कल्याण अधिकारी ,समस्त विकास खंड, नेहरू युवा केंद्र, जिला विज्ञान क्लब समेत समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी गण समेत तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बलराम सिंह नोडल अधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जल ही जीवन है। जल के बिना प्राणिजगत का अस्तित्व संभव नहीं है। हम सभी को जल की स्वच्छता बनाए रखने हेतु संकल्पित होना चाहिए। जल को दूषित व जल का दुरुपयोग



नहीं करना चाहिए। जल संरक्षण हेतु हम सभी को वैज्ञानिक प्रयास करना चाहिए। पृथ्वी धरती पर 75: जल है जिसमें शुद्ध पेयजल 2.5: ही है। इसलिए शुद्ध पेयजल को सुरक्षित एवं संरक्षित किया जाना आवश्यक है। उक्त अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों व जनमानस को जल शपथ भी दिलाया। कार्यक्रम आयोजक डॉ राजेश कुमार सहायक नोडल अधिकारी /सहायक अभियंता लघु सिंचाई ने अधिकारियों का स्वागत कर कार्यक्रम पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए विभाग वार प्रगति प्रस्तुत किया व कहा कि शासन के निर्देश के क्रम में ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी सचिव और विकास खंड स्तर पर खंड विकास अधिकारी नगरीय क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी और

जनपद स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी के दिश निर्देशन में समस्त ग्राम पंचायतों,विकास खण्डों ,नगरीय क्षेत्र में जल संरक्षण पर जन जागरूकता कार्यक्रम, रैली वृक्षारोपण व जल शपथ एवं विद्यालयों में जल संरक्षण से संबंधित वाद विवाद, चित्रकला प्रतियोगिता रैली व शपथ भी दिलाई गई। समस्त संबंधित विभागों द्वारा जल संरक्षण की दिशा में सामान्य जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी गण व सामान्य जनमानस ,कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और सहयोग सिद्धार्थ शंकर ने किया। उपस्थित अतिथि अधिकारियों को सहायक अभियंता लघु सिंचाई डॉ राजेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हेमंत पाण्डेय बने प्रधानमंत्री, ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में 88 से अधिक छात्र-छात्राओं को मिला दायित्व

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। तेतरी बाजार स्थित रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में शुक्रवार को शिशु भारती छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में छात्र संसद, विभिन्न विषय परिषदों एवं न्याय विभाग के 88 से अधिक छात्र-छात्राओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कॉलेज, नौगढ़ के अर्थशास्त्र एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की वास्तविक प्रथम श्रेणी उनके श्रेष्ठ आवरण, अनुशासन, संस्कार और उत्तरदायित्व से तय होती है। छात्र संसद बच्चों में नेतृत्व क्षमता



और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करती है। उन्होंने वर्ष 2047 के विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। छात्र संसद में हेमंत पाण्डेय को अनुशासन प्रमुख, कृष्णा अग्रहरि को जल प्रमुख, सत्यम पाण्डेय को उप जल प्रमुख, श्रेयांश मिश्र को विद्युत मंत्री, पुष्कर प्रताप सिंह को उप विद्युत मंत्री, श्रेयांश श्रीवास्तव को स्वास्थ्य मंत्री, वेद



तिक प्रमुख, जीशान अहमद को संसदीय कार्य प्रमुख, सनातन तिवारी को उप संसदीय कार्य प्रमुख, दिव्यांश पाण्डेय को वन्दना प्रमुख, देवेश पाण्डेय को उप वन्दना प्रमुख, हर्ष चौबे को क्रीड़ा प्रमुख, देव शुक्ल को उप क्रीड़ा प्रमुख, धर्मवीर को स्वच्छता प्रमुख, हिमांशु यादव को उप स्वच्छता प्रमुख, सत्यम ओझा को उद्यान मंत्री, राजवीर चौधरी को उप उद्यान मंत्री, यश पटेल को साज-सज्जा प्रमुख, आदर्श कुमार को उप साज-सज्जा प्रमुख, दर्शित मिश्र को संगीत प्रमुख, योगेश्वर मिश्र को उप संगीत प्रमुख, सूर्यांश द्विवेदी को वाहन प्रमुख तथा अंश दूबे को उप वाहन प्रमुख का दायित्व सौंपा गया। विषय परिषदों में चन्दन वर्मा (गणित प्रमुख), आदित्य राणा (उप प्रमुख), ओम

पाण्डेय (हिन्दी प्रमुख), विशाल वरुण (उप प्रमुख), रवि (आंग्ल प्रमुख), अनिरुद्ध जायसवाल (उप प्रमुख), कृतिकेश पाण्डेय (विज्ञान प्रमुख), सिद्धार्थ शुक्ल (उप प्रमुख), आयुष शर्मा (संस्कृत प्रमुख), युवराज जायसवाल (उप प्रमुख), दिव्यांशु यादव (शिक्षा प्रमुख) तथा आर्यन जायसवाल (उप प्रमुख) ने शपथ ली। न्याय विभाग में बालकृष्ण धर द्विवेदी एवं ओम सिंह को न्यायाधीश, योगेश्वर मिश्र को पुकारकर्ता तथा देवव्रत पाण्डेय (सरकारी) एवं सत्यम पाण्डेय को वकील का दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या भारती गोरख प्रांत के सभाग निरीक्षक अजय दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व छात्र एवं सामाजिक कार्यकर्ता विकास पाण्डेय उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बसंत प्रसाद मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्र संसद के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर छात्र सांसद प्रमुख दिलीप श्रीवास्तव, सचिवादनंद विश्वकर्मा व वाचस्पति मिश्र, दिग्विजय नाथ मिश्र बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में बाल श्रम के खिलाफ अभियान, चार किशोर श्रमिक चिन्हित

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। जनपद को दिसंबर 2026 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत गुरुवार को श्रम विभाग की जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) ने जिला मुख्यालय के कपड़े वाली गली, मुख्य बाजार, बुद्धनगर वार्ड, स्टेशन रोड, सोहंस मार्ग और रेलवे स्टेशन पर विशेष जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान चार प्रतिष्ठानों से चार किशोर श्रमिक चिन्हित किए गए, जबकि संबंधित सेवायोजकों को नोटिस जारी कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई। अभियान के दौरान व्यापारियों को बाल श्रम न कराने और बच्चों को शिक्षा से जोड़ने



के लिए प्रेरित किया गया। दुकानों पर श्राल श्रम मुक्त प्रतिष्ठान के स्टीकर भी लगाए गए, ताकि समाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके। सहायक श्रम आयुक्त ओम प्रकाश ने कहा कि बच्चों का

स्थान कार्यस्थल नहीं, बल्कि विद्यालय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं बाल श्रम होता दिखाई दे तो पहले संबंधित सेवायोजक को जागरूक करें और सुधार न होने पर इसकी



सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि प्रभावी कार्रवाई की जा सके। अभियान में सहायक श्रम आयुक्त ओम प्रकाश, श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेंद्र कुमार, एचएटी प्रभारी निरीक्षक रविंद्र

सिंह, जिला सलाहकार श्रम विभाग जय प्रकाश गुप्ता, जिला प्रतिनिधि एवीए/नीति आयोग अभिनव द्विवेदी सहित पुलिस एवं श्रम विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

[illegible]

लॉक अप सीजन 2: लवबर्ड्स कहने पर बढ़ा विवाद, शिल्पा शिंदे पर भड़के हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी

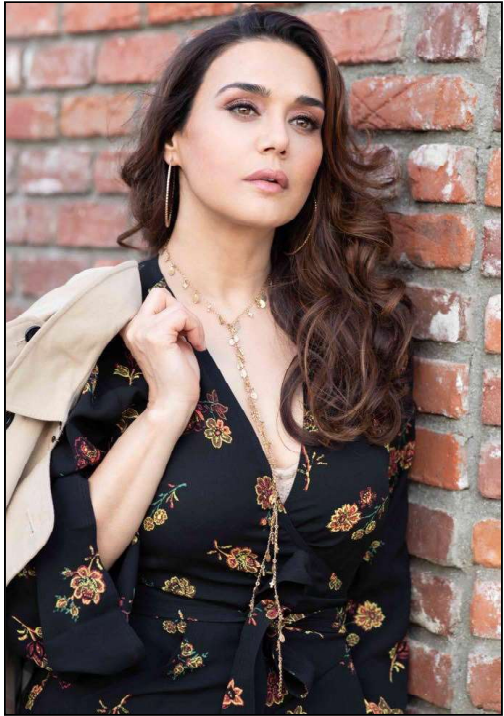


रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में हर दिन नए रिश्ते बनते और बिगड़ते नजर आ रहे हैं। शो में कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले विवाद लगातार दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। इस बार अभिनेता हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी, शिल्पा शिंदे से भिड़ते नजर आए। दरअसल, शिल्पा शिंदे ने उन्हें लवबर्ड्स कहकर पुकारा था। इस टिप्पणी पर दोनों ने कड़ी आपत्ति जताई और देखते ही देखते मामूली बहस तीखी नोकझोंक में बदल गई। पूरे विवाद की शुरुआत जिम मैट को लेकर हुई। हर्षद चोपड़ा जिम मैट दूढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर जिम मैट नहीं मिल रहा है। इस पर शिल्पा शिंदे ने जवाब दिया कि वह उसी मैट पर सो रही हैं और उसे नहीं देंगी। शिल्पा की इस बात पर हर्षद नाराज हो गए और बोले कि वह बिना मैट के भी सो सकती हैं। इसी दौरान शिल्पा ने तंज कसते हुए हर्षद और शिवांगी को लवबर्ड्स कह दिया। यह सुनते ही माहौल अचानक गर्म हो गया। शिवांगी जोशी ने तुरंत इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और पूछा कि आखिर वह उन्हें बार-बार लवबर्ड्स क्यों कह रही हैं। सभी जानते हैं कि हमारे बीच सिर्फ दोस्ती का रिश्ता है, इसलिए इस तरह की बातें करना सही नहीं है। अपनी भाषा और सोच पर थोड़ा ध्यान दो। शिवांगी का साथ देते हुए हर्षद चोपड़ा ने भी कहा, मैं सिर्फ उसका दोस्त हूं। इसके बाद उन्होंने शिल्पा पर निशाना साधते हुए कहा, आपने शायद जिंदगी में कभी सच्ची दोस्ती देखी ही नहीं। आपकी उम्र शादी करने की है और आप इस तरह की अफवाहें फैला रही हैं। शिवांगी ने भी शिल्पा पर पलटवार करते हुए कहा, आपने अपनी जिंदगी में एक भी दोस्त नहीं बनाया। क्या ये जलन है?

इस दौरान शिल्पा लगातार लवबर्ड्स शब्द दोहराती रहीं। इससे हर्षद का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, शिल्पा हर समय यही शब्द दोहराती रहती हैं। वहीं शिवांगी ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शिल्पा के दिमाग में गंदगी भरी हुई है और वह हर रिश्ते को उसी नजर से देखती हैं। इस पूरे मामले पर शो के सीक्रेट रूम से देख रही वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट अपूर्वा मखीजा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दर्शकों को आज फिर हर्षद चोपड़ा का कबीर सिंह वाला रूप देखने को मिल गया।

प्रीति जिंटा ने सोनम वांगचुक के समर्थन में उठाई आवाज, सरकार से की बातचीत की अपील

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर भी राय रखने के लिए जानी जाती हैं। इस कड़ी में उन्होंने



शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलन पर प्रतिक्रिया दी। प्रीति ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में आवाज उठाते हुए सरकार से उनके साथ बातचीत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक की सेहत लगातार खराब हो रही है और ऐसे में किसी समाधान तक पहुंचने के लिए बातचीत जरूरी है। प्रीति जिंटा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील की। उन्होंने लिखा, मुझे उम्मीद है कि सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ बातचीत करेगी, ताकि उनकी तबीयत और ज्यादा खराब न हो। अपने पोस्ट में प्रीति ने सोनम वांगचुक से अपना अनशन खत्म करने की अपील की। उन्होंने लिखा, सोनम, प्लीज अपना अनशन खत्म करें। आपकी सेहत भी इस लड़ाई जितनी ही जरूरी है। अभिनेत्री ने लिखा, सोनम वांगचुक और छात्र भारत के भविष्य और युवाओं के लिए आवाज उठा रहे हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और अपग्रेड करने की लड़ाई में मेरा दिल से समर्थन है। आप सभी को और ताकत मिले। दरअसल, सोनम वांगचुक नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के विरोध में अनशन कर रहे हैं। उनके आंदोलन को लेकर देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। राजधानी दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने मांगों को लेकर आवाज उठाई है। सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर उस समय मामला और ज्यादा चर्चा में आया, जब दिल्ली पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से हटाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 18 जुलाई की सुबह पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटाकर अस्पताल पहुंचाया था। पुलिस ने यह कदम उनकी बिगड़ती तबीयत, डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उठाया। सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार और प्रतियोगी परीक्षाओं में गडबड़ियों को लेकर अपनी मांगें रखी हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी की है। उनका कहना है कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

गले में दर्द को न करें इग्नोर



मौसम बदलते ही गले में खराश या दर्द होना एक आम समस्या है। ज्यादातर लोग इसे सर्दी-जुकाम समझकर गर्म पानी, काढ़ा या दवा लेकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर गले का दर्द बार-बार हो रहा है और कई दिनों तक बना रहता है या इसके साथ बुखार, निगलने में परेशानी या गले में गांठ जैसी समस्या भी है, तो यह किसी दूसरी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। एनएचएस के अनुसार गले में दर्द केवल वायरल संक्रमण की वजह से ही नहीं होता, बल्कि बैक्टीरियल इन्फेक्शन, एलर्जी, एसिड रिफ्लक्स और कुछ गंभीर बीमारियां भी इसकी वजह बन सकती हैं।

वायरल संक्रमण : हैल्थ विशेषज्ञ के अनुसार गले में दर्द का सबसे आम कारण वायरल संक्रमण होता है। सर्दी, फ्लू, कोविड-19 या अन्य वायरल संक्रमण में गले में खराश, बुखार, नाक बहना और शरीर दर्द जैसे लक्षण साथ में दिखाई दे सकते हैं।

स्ट्रेप थ्रोत रू अगर गले में तेज दर्द के साथ तेज बुखार, टांसिल्स पर सफेद धब्बे और निगलने में ज्यादा तकलीफ हो रही है, तो यह स्ट्रेप थ्रोत नाम के बैक्टीरियल संक्रमण का संकेत हो सकता है। ऐसे मामलों में डाक्टर की सलाह से इलाज जरूरी होता है।

टांसिलाइटिस: बार-बार गले में दर्द और टांसिल्स में सूजन होना टांसिलाइटिस की ओर इशारा कर सकता है। इसमें गले में दर्द के साथ मुंह खोलने और खाना निगलने में भी परेशानी हो सकती है।

एलर्जी : धूल, धुआं, परागकण या पालतू जानवरों से एलर्जी होने पर भी गले में खुजली, खराश और दर्द महसूस हो सकता है। इसके साथ ही छींक, आंखों में पानी आना और नाक बहना भी हो सकता है।

एसिड रिफ्लक्स : पेट का एसिड बार-बार गले तक पहुंचने पर गले में जलन, खराश और सुबह उठते समय दर्द महसूस हो सकता है। इसे अकसर लोग सामान्य गले की समस्या समझ लेते हैं।

गले का कैंसर : अगर गले का दर्द 3 सप्ताह से ज्यादा बना रहे, आवाज बैठ जाए, निगलने में लगातार परेशानी हो, गर्दन में गांठ महसूस हो या वजन तेजी से कम होने लगे, तो यह गले के कैंसर जैसे गंभीर कारण का संकेत भी हो सकता है। हालांकि, ऐसा हर मरीज में नहीं होता।

धूम्रपान और प्रदूषण : लगातार धूम्रपान, तंबाकू का सेवन या प्रदूषित वातावरण में रहने से भी गले में लंबे समय तक जलन और दर्द बना रह सकता है। इससे गले की अंदरूनी परत प्रभावित होती है।

कब डाक्टर से मिलना चाहिए : गले का दर्द एक सप्ताह से ज्यादा रहे। तेज बुखार बार-बार आए। निगलने या सांस लेने में परेशानी हो। गले में गांठ महसूस हो। आवाज लगातार बैठी रहे। मुंह खोलने में दिक्कत हो।

गले की देखभाल कैसे करें : पर्याप्त पानी पिएं। गुनगुने नमक वाले पानी से गरारे करें। धूम्रपान और तंबाकू से दूरी बनाएं। बहुत ठंडी या बहुत गर्म चीजें लगातार खाने से बचें। अगर दर्द कई दिनों तक बना रहे तो खुद से एंटीबायोटिक न लें और डाक्टर की सलाह लें।

देवशायनी एकादशी से शुरू हो रहा चातुर्मास , जानें 4 महीनों तक क्यों वर्जित हैं शुभ कार्य



हिंदू धर्म में व्रत-त्योहारों का विशेष महत्व होता है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी। इसको हरिशयनी और आषाढ़ी एकादशी के नाम से भी जानते हैं। इस देवशयनी एकादशी से चार महीनों के लिए भगवान विष्णु क्षीर सागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। भगवान विष्णु के योगनिद्रा में होने की वजह से देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होती है। इस दौरान शुभ कार्यों जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। वहीं इस चातुर्मास के दौरान साधु-संत भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण नहीं करते हैं। तो आइए जानते हैं देवशयनी एकादशी कब है और चातुर्मास का क्या महत्व होता है।

देवशयनी एकादशी 2026

हिंदू पंचांग के मुताबिक इस साल 25 जुलाई 2026 को देवशयनी एकादशी मनाई जा रही है। इसी एकादशी के साथ जगत के पालनहार भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा क्षीर सागर में चले जाते हैं। इसी के साथ चातुर्मास की शुरुआत होती है और इस दौरान चार महीने के लिए शुभ काम वर्जित हो जाते हैं।

महत्व

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी क्षीर सागर में 4 महीनों के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने के बाद भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। इस चार महीनों में भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है। भगवान शिव की आराधना के लिए पूरे महीने तक सावन पर विशेष रूप से पूजा की जाती है। इस दौरान पूजा-पाठ, दान, जप-तप और व्रत करने पर पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

चातुर्मास के चार महीने

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक देवशयनी एकादशी से शुरू होकर देवउठनी एकादशी तक श्रीहरि योगनिद्रा में रहते हैं। इस चार महीने के समय को चातुर्मास कहा जाता है। चातुर्मास के दौरान सावन, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक महीने आते हैं। शास्त्रों में इन 4 महीनों का विशेष महत्व होता है। जिसमें भक्ति और साधना का विशेष महत्व होता है।

चातुर्मास में शुभ कार्य क्यों नहीं होते

हिंदू धर्म में चातुर्मास के दौरान श्रीहरि के चार महीने योगनिद्रा और साधना के लिए बेहद अहम होते हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक शुभ और मांगलिक कार्यों में श्रीहरि की उपस्थिति रहती है। जिसमें पूजा और दूसरे धार्मिक अनुष्ठानों में आशीर्वाद देते हैं। लेकिन श्रीहरि के योगनिद्रा में रहने से किसी भी तरह के शुभ कार्यों में उनका आशीर्वाद नहीं मिल पाता है। जिस कारण चातुर्मास में शुभ कार्यों को स्थगित कर दिया जाता है। देवउठनी एकादशी पर श्रीहरि के जागने पर शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।